भारत सरकार

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं .610

जिसका उत्तर 06.02.2025 को दिया जाना है

एनएच-730 का सुदृढ़ीकरण

610. श्री राम शिरोमणि वर्मा:

क्या सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार ने उत्तर प्रदेश के श्रावस्ती और बलरामपुर जिलों से गुजरने वाले राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएच)-730 को चौड़ा और मजबूत बनाने के लिए कोई योजनाएं बनाई हैं;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) सरकार द्वारा देश भर में राष्ट्रीय और राज्य राजमार्गों के विकास के लिए कार्यान्वित किए जा रहे कार्यक्रमों का ब्यौरा क्या है; और

(घ) क्या सरकार नई सड़क योजनाएं बनाने में स्थानीय निवासियों और निर्वाचित प्रतिनिधियों को शामिल करने का विचार रखती है, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री

(श्री नितिन जयराम गडकरी)

(क) से (ग) सरकार का सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय में सरकार मुख्य रूप से राष्ट्रीय राजमार्गों (एनएच) के विकास और रखरखाव के लिए उत्तरदायी है। देश में रारा नेटवर्क का विस्तार वर्तमान में लगभग 1,46,195 किमी तक हो गया है। देश में राष्ट्रीय राजमार्गों के विकास के लिए सरकार द्वारा कई योजनाएं लागू की गई हैं। ये भारतमाला परियोजना है और इनमें समाहित राष्ट्रीय राजमार्ग विकास परियोजना (एनएचडीपी), उत्तर-पूर्व क्षेत्र के लिए विशेष त्वरित सड़क विकास कार्यक्रम (एसएआरडीपी-एनई), लेफ्ट विंग चरमपंथी प्रभावित क्षेत्र (एलडब्लयूई) में सड़कों के विकास के लिए विशेष कार्यक्रम, विजयवाड़ा-रांची सड़क विकास और बाह्य सहायता प्राप्त परियोजनाएं (ईएपी) शामिल हैं। उपरोक्त किसी भी योजना के अंतर्गत शामिल न किए गए राष्ट्रीय राजमार्ग खंडों को यातायात सघनता, सड़क की स्थिति, पारस्परिक प्राथमिकता और निधियों की उपलब्धता के आधार पर राष्ट्रीय राजमार्ग मूल [रारा (मूल)] कार्यों के तहत विकास के लिए लिया जाता है।

राष्ट्रीय राजमार्गों (एनएच) का विकास और रखरखाव एक सतत प्रक्रिया है। तदनुसार, राष्ट्रीय राजमार्गों पर चौड़ीकरण और सुदृढ़ीकरण परियोजनाओं सहित कार्य यातायात सघनता, परस्पर प्राथमिकता, पीएम

गति शक्ति नेशनल मास्टर प्लान के साथ तालमेल के आधार पर किए जाते हैं, ताकि रारा को यातायात योग्य स्थिति में बनाए रखा जा सके।

मार्च 2012 में उत्तर प्रदेश राज्य में राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएच)-730 के राष्ट्रीय राजमार्ग घोषित होने के बाद से इस पर 3477 करोड़ रुपये की लागत से सोलह परियोजनाएं पूरी हो चुकी हैं। इसके अलावा रारा-730 पर 1507 करोड़ रुपये की लागत से छह कार्य भी शुरू किए गए हैं; इन कार्यों का विवरण अनुबंध में संलग्न है। रारा-730 की 72 किलोमीटर लंबाई में चार लेन के लिए डीपीआर (विस्तृत परियोजना रिपोर्ट) का कार्य भी शुरू कर दिया गया है।

(घ) डीपीआर परामर्शदाता परियोजना के विचारार्थ विषय (टीओआर) के अनुसार डीपीआर तैयार करने के दौरान जनता, परियोजना प्रभावित व्यक्तियों, गैर सरकारी संगठनों, नगर निगम के अधिकारियों, संबंधित सरकारी एजेंसियों और अन्य हितधारकों के साथ परामर्श करते हैं। निर्वाचित प्रतिनिधियों के सुझावों को ध्यान में रखा जाता है और उचित निर्णय के लिए विभिन्न अन्य कारकों के साथ उनका विश्लेषण किया जाता है।

अनुबंध

'एनएच-730 के सुदृढ़ीकरण' के संबंध में श्री राम शिरोमणि वर्मा द्वारा दिनांक 06.02.2025 को पूछे जाने वाले लोक सभा अतारांकित प्रश्न संख्या 610 के भाग (क) से (ग) के उत्तर में उल्लिखित अनुबंध।

वर्तमान में रारा-730 पर किए जा रहे कार्यों का विवरण						
क्र. सं.	**परियोजनाओं का नाम**	**जिले**	**लंबाई (किमी)**	**स्वीकृत लागत (करोड़ रुपए में)**	**प्रारंभ तिथि**	**वास्तविक प्रगति**
1	ईपीसी मोड पर रारा-730 के किमी 281.930 के पास से शुरू होकर रारा-730 के किमी 284.900 के पास समाप्त होकर 2एल+पीएस विन्यास सहित गिलौला बाईपास का निर्माण।	श्रावस्ती	3.51	62.18	06.01.2024	37%
2	ईपीसी मोड के तहत उत्तर प्रदेश राज्य में रारा-730 पर शोहरतगढ़ बाईपास का निर्माण	सिद्धार्थनगर	6.27	189.31	24.11.2023	15%
3	ईपीसी आधार पर एनएच-730 के किमी 420.00 (शोहरथगढ़) से किमी 454.00 (उसका बाजार) तक 2एल+पीएस तक सुधार और उन्नयन	सिद्धार्थनगर और महाराजगंज	32.54	509.65	15.03.2024	12%
4	ईपीसी मोड के तहत रारा-330 के किमी 223.000 से रारा-730 के किमी 328.300 तक 2एल नम्य फुटपाथ विन्यास के साथ बलरामपुर बाईपास का निर्माण	बलरामपुर	20.52	515.69	03.08.2024	13%
5	ईपीसी मोड पर रारा-730 के किमी.103.907 और किमी.120.985 पर दो लेन आरओबी का निर्माण।	लखीमपुरखेरी	1 जॉब	99.64	22.12.2020	89%
6	ईपीसी आधार पर रारा-730 पर किमी 2+735 पर एक फ्लाईओवर और किमी 31+260 पर एक प्रमुख पुल का निर्माण।	पीलीभीत	1 जॉब	126.94	09.12.2022	77%

*****